University of Kalyani

Department of Hindi

U.G. (Hindi) Proposed Syllabus

NEP- 2020

SEMESTER I							
Semester	**Course Type**	**Paper Code**	**Course Name**	**Credit**	**Evaluation Pattern Marks**		
					Theory	**IA**	**Total**
First	Major(T)	HIN-M-T-1	हिन्दी साहित्य का इतिहास : (आदिकाल से रीतिकाल तक)	06	60	15	75
First	Minor (T)	HIN-MI-T-1	हिन्दी साहित्य का इतिहास : (आदिकाल से रीतिकाल तक)	04	40	10	50
First	Multidisciplinary Course	HIN-MU-T-1	हिन्दी व्याकरण	03	35	10	45
First	Skill Enhancement Course	HIN-SEC-P-1	विज्ञापन और हिन्दी	03	35	10	45
First	Value Added Course	HIN-VA-T-1	Environmental Education	04	40	10	50
			Total	**20**	**210**	**55**	**265**
SEMESTER II							
Second	Major	HIN-M-T-2	हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल	06	60	15	75
Second	Minor	HIN-MI-T-2	हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल	04	40	10	50
Second	Multidisciplinary Course	HIN-MU-T-2	हिन्दी भाषा और लिपि	03	35	10	45
Second	Ability Enhancement Course	AECC-1	Communicative English	04	40	10	50
Second	Skill Enhancement Course	HIN-SEC-P-2	प्रयोजनमूलक हिन्दी	03	35	10	45
Second	Summer Course	HIN-SI-T-1	Summer Internship	04			
			Total	**20**	**210**	**55**	**265**

Semester-I
Detailed Syllabus

Paper Code: HIN-M-T-1: हिन्दी साहित्य का इतिहास: आदिकाल से रीति काल तक 6 Credit

(60+15=75 Marks)

- हिन्दी साहित्य के इतिहास-लेखन की परंपरा।
- हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल विभाजन और नामकरण।
- आदिकाल : पृष्ठभूमि, परिचय एवं साहित्यिक प्रवृत्तियाँ।
- सिद्ध, नाथ, जैन, रासो एवं लौकिक साहित्य : परिचय एवं प्रवृत्तियाँ।
- पूर्व-मध्यकाल (भक्तिकाल): भक्ति आन्दोलन के उदय की राजनीतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि। भक्ति-आन्दोलन का अखिल भारतीय स्वरूप। निर्गुण एवं सगुण भक्तिकाव्य : परिचय एवं प्रवृत्तियाँ।
- उत्तर-मध्यकाल (रीतिकाल): राजनीतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि।
- रीतिबद्ध और रीतिमुक्त काव्य : परिचय एवं प्रवृत्तियाँ।
- रीतीतर काव्य : सामान्य परिचय।

सहायक ग्रंथ सूची :

1. साहित्येतिहास दर्शन : नलिन विलोचन शर्मा
2. साहित्य का इतिहास दर्शन :जगदीश्वर चतुर्वेदी
3. साहित्य की इतिहास-दृष्टि : मैनेजर पाण्डेय
4. साहित्य का इतिहास दर्शन : सुमन राजे
5. हिन्दी साहित्य का आदिकाल : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
6. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल
7. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. नगेंद्र
8. हिन्दी साहित्य की भूमिका : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
9. भक्ति काव्य और लोकजीवन : शिवकुमार मिश्र
10. उत्तरी भारत की संत परंपरा : परशुराम चतुर्वेदी
11. नाथ संप्रदाय : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
12. लोकजागरण और हिन्दी साहित्य : रामविलास शर्मा
13. हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग-1,2) : डॉ गणपतिचंद्र गुप्त
14. भारतीय प्रेमाख्यान की परंपरा : आचार्य परशुराम चतुर्वेदी
15. हिन्दी सूफ़ी काव्य की भूमिका : राम पूजन तिवारी

16. भक्ति आंदोलन : इतिहास और संस्कृति : (सं.) डॉ. कुँवरपाल सिंह
17. भक्ति आंदोलन और लोक संस्कृति : (सं.) डॉ कुँवर पाल सिंह
18. रीति काव्य की भूमिका : डॉ नगेंद्र
19. मध्यकालीन बोध और साहित्य : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
20. भारतीय चिंतन परंपरा : के. दामोदरन
21. आदिकालीन भारत की व्याख्या : रोमिलाथापर
22. पूर्व मध्यकालीन भारत का सामंती समाज और संस्कृति : रामशरण शर्मा
23. फ़्युडलिज्म और गैर यूरोपीय समाज : (सं.) हरबंस मुखिया, अनु. आदित्य नारायण सिंह

Paper Code HIN-MI-T-1: हिन्दी साहित्य का इतिहास: आदिकाल से रीति काल तक 4 Credit

(40+10=50) Marks

- हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल विभाजन और नामकरण।
- आदिकाल : पृष्ठभूमि, परिचय, प्रवृत्तियाँ और प्रतिनिधि कवि।
- सिद्ध, नाथ, जैन, रासो एवं लौकिक साहित्य : परिचय, प्रवृत्तियाँ और प्रतिनिधि कवि।
- पूर्व-मध्यकाल (भक्तिकाल): भक्ति आन्दोलन के उदय की राजनीतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि। निर्गुण एवं सगुण भक्तिकाव्य : परिचय, प्रवृत्तियाँ और प्रतिनिधि कवि।
- उत्तर-मध्यकाल (रीतिकाल): राजनीतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि।
- रीतिबद्ध और रीतिमुक्त काव्य : परिचय, प्रवृत्तियाँ और प्रतिनिधि कवि।

सहायक ग्रंथ सूची :

1. साहित्येतिहास दर्शन : नलिन विलोचन शर्मा
2. साहित्य का इतिहास दर्शन :जगदीश्वर चतुर्वेदी
3. साहित्य की इतिहास-दृष्टि : मैनेजर पाण्डेय
4. साहित्य का इतिहास दर्शन : सुमन राजे
5. हिन्दी साहित्य का आदिकाल : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
6. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल
7. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. नगेंद्र
8. हिन्दी साहित्य की भूमिका : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
9. भक्ति काव्य और लोकजीवन : शिवकुमार मिश्र
10. उत्तरी भारत की संत परंपरा : परशुराम चतुर्वेदी
11. नाथ संप्रदाय : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी

12. लोकजागरण और हिन्दी साहित्य : रामविलास शर्मा
13. हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग-1,2) : डॉ गणपतिचंद्र गुप्त
14. भारतीय प्रेमाख्यान की परंपरा : आचार्य परशुराम चतुर्वेदी
15. हिन्दी सूफ़ी काव्य की भूमिका : राम पूजन तिवारी
16. भक्ति आंदोलन : इतिहास और संस्कृति : (सं.) डॉ. कुँवरपाल सिंह
17. भक्ति आंदोलन और लोक संस्कृति : (सं.) डॉ कुँवर पाल सिंह
18. रीति काव्य की भूमिका : डॉ नगेंद्र
19. मध्यकालीन बोध और साहित्य : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
20. भारतीय चिंतन परंपरा : के. दामोदरन
21. आदिकालीन भारत की व्याख्या : रोमिला थापर
22. पूर्व मध्यकालीन भारत का सामंती समाज और संस्कृति : रामशरण शर्मा
23. फ़्युडलिज्म और गैर यूरोपीय समाज : (सं.) हरबंस मुखिया, अनु. आदित्य नारायण सिंह

Paper Code: HIN-MU-T-1:हिन्दी व्याकरण 3 Credit

(35+10=45 Marks)

- वर्ण व्यवस्था : स्वर एवं व्यंजन
- स्वर के प्रकार - ह्रस्व, दीर्घ तथा संयुक्त।
- व्यंजन के प्रकार – स्पर्श, अन्तस्थ, उष्म, अल्पप्राण, महाप्राण, घोष, अघोष।
- शब्द रचना : उपसर्ग, प्रत्यय, संधि, समास
- रूप रचना : संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण
- वाक्य रचना : सरल वाक्य, मिश्र वाक्य और संयुक्त वाक्य।
- शब्दस्रोत : तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशज।
- विलोम शब्द एवं पर्यायवाची शब्द।
- मुहावरे और लोकोक्तियाँ।

सहायक ग्रंथ सूची :

1. हिन्दी व्याकरण और रचना- डॉ. वासुदेव नंदन प्रसाद
2. हिन्दी व्याकरण - कामता प्रसाद गुरु
3. सुबोध हिन्दी व्याकरण- मीनाक्षी अग्रवाल
4. सरल हिन्दी व्याकरण- मीनाक्षी अग्रवाल
5. हिन्दी व्याकरण मीमांसा- काशीराम शर्मा

6. मानक हिन्दी का व्यावहारपरक व्याकरण- रमेशचंद्र महरोत्रा
7. नवशती हिन्दी व्याकरण- बद्रीनाथ कपूर

Paper Code: HIN-SEC-P-1: विज्ञापन और हिन्दी 3 Credit

(35+10=45 Marks)

- विज्ञापन : परिभाषा एवं स्वरूप
- विज्ञापन : वर्गीकरण एवं उद्देश्य
- हिन्दी जनसंचार माध्यमों में विज्ञापन का इतिहास
- विज्ञापन एजेंसियां और उद्योग : अंतर्संबंध
- विज्ञापन भाषा और हिन्दी
- विज्ञापन और माध्यम भेद : मुद्रित, दृश्य, श्रव्य एवं दृश्य-श्रव्य माध्यम।
- विज्ञापन में सामाजिक एवं सांस्कृतिक मूल्य

सहायक ग्रंथ सूची :

1. विज्ञापन: भाषा संरचना - रेखा सेठी
2. मीडिया लेखन - डॉ. यू. सी. गुप्ता
3. मीडिया लेखन और संपादन कला- गोविंद प्रसाद
4. मीडिया लेखन कला – सूर्य प्रकाश दीक्षित
5. जन संपर्क, स्वरूप और सिद्धान्त- डॉ. राजेन्द्र यादव
6. हिन्दी विज्ञापन : संरचना और प्रभाव –सुमित मोहन
7. आज का मीडिया – सं. शंभुनाथ
8. आधुनिक विज्ञापन –प्रेमचंद्र पातंजलि
9. मीडिया और लोकतंत्र – रवीन्द्रनाथ मिश्र
10. मीडिया लेखन –सुमित मोहन
11. समाचार पत्रों की भाषा – माणिक मृगेश
12. संचार माध्यम लेखन –गौरीशंकररैणा
13. विज्ञापन डॉट कॉम – डॉ. रेखा सेठी
14. विज्ञापन कला – मधु धवन

15. मास मीडिया और समाज – मनोहर श्याम जोशी

Semester-II
Detailed Syllabus

Paper Code: HIN-M-T-2: हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल 6 Credit

(60+15=75 Marks)

- हिन्दी नवजागरण। आधुनिक काल की पृष्ठभूमि : राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक।
- भारतेन्दु युग : परिचय एवं साहित्यिक प्रवृत्तियाँ और प्रतिनिधि कवि।
- द्विवेदी युग : परिचय एवं साहित्यिक प्रवृत्तियाँ और प्रतिनिधि कवि।
- छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद और नयी कविता: परिचय एवं साहित्यिक प्रवृत्तियाँ और प्रतिनिधि कवि।
- हिन्दी गद्य : उद्भव और विकास।
- हिन्दी गद्य के विविध रूप : संक्षिप्त परिचय।

सहायक ग्रंथ सूची :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य : उद्भव और विकास : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ नगेंद्र
5. भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ : रामविलास शर्मा
6. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण : रामविलास शर्मा
7. आधुनिकता बोध और आधुनिकीकरण : रमेशकुंतल मेघ
8. छायावाद : नामवर सिंह
9. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ : नामवर सिंह
10. प्रगतिवाद : शिवदान सिंह चौहान
11. नयी कविता और अस्तित्ववाद : रामविलास शर्मा
12. नयी कविता का आत्मसंघर्ष : मुक्तिबोध
13. लघु मानव के बहाने हिन्दी कविता पर एक बहस : विजयदेव नारायण साही

14. हिन्दी गद्य, स्वरूप और संवेदना : रामस्वरूप चतुर्वेदी
15. हिन्दी का गद्य-साहित्य : रामचंद्र तिवारी
16. दूसरी परंपरा की खोज : नामवर सिंह
17. भारतीय नवजागरण : एक असमाप्त सफर : शंभुनाथ
18. हिन्दी नवजागरण : भारतेंदु और उनके बाद : शंभुनाथ

Paper Code: HIN-MI-T-2: हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल **4 Credit**

(40+10=50 Marks)

- आधुनिक काल की पृष्ठभूमि : राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक।
- भारतेन्दु युग : परिचय एवं साहित्यिक प्रवृत्तियाँ और प्रतिनिधि कवि।
- द्विवेदी युग : परिचय एवं साहित्यिक प्रवृत्तियाँ और प्रतिनिधि कवि।
- छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद और नयी कविता: परिचय एवं साहित्यिक प्रवृत्तियाँ और प्रतिनिधि कवि।
- हिन्दी गद्य : उद्भव और विकास।

सहायक ग्रंथ सूची :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य : उद्भव और विकास : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ नगेंद्र
5. भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ : रामविलास शर्मा
6. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण : रामविलास शर्मा
7. आधुनिकता बोध और आधुनिकीकरण : रमेशकुंतल मेघ
8. छायावाद : नामवर सिंह
9. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ : नामवर सिंह
10. प्रगतिवाद : शिवदान सिंह चौहान
11. नयी कविता और अस्तित्ववाद : रामविलास शर्मा
12. नयी कविता का आत्मसंघर्ष : मुक्तिबोध
13. लघु मानव के बहाने हिन्दी कविता पर एक बहस : विजयदेव नारायण साही
14. हिन्दी गद्य, स्वरूप और संवेदना : रामस्वरूप चतुर्वेदी

15. हिन्दी का गद्य-साहित्य : रामचंद्र तिवारी
16. दूसरी परंपरा की खोज : नामवर सिंह
17. भारतीय नवजागरण : एक असमाप्त सफर : शंभुनाथ
18. हिन्दी नवजागरण : भारतेंदु और उनके बाद : शंभुनाथ

Paper Code: HIN-MU-T-2:हिन्दी भाषा और लिपि **3 Credit**

(35+10=45 Marks)

- हिन्दी भाषा का इतिहास।
- खड़ी बोली हिन्दी का उद्भव और विकास।
- हिन्दी की बोलियाँ : सामान्य परिचय।
- हिन्दी-उर्दू रूपों का संबंध।
- राजभाषा, राष्ट्रभाषा एवं संपर्क भाषा के रूप में हिन्दी।
- देवनागरी लिपि का विकास।
- देवनागरी लिपि की विशेषताएँ।
- वर्तनी का मानकीकरण।

सहायक ग्रंथ सूची :

1. हिन्दी भाषा का इतिहास : धीरेंद्र वर्मा
2. भारतीय आर्य भाषाएँ और हिन्दी : सुनीति कुमार चटर्जी
3. हिन्दी : उद्भव, विकास और रूप : हरदेव बाहरी
4. हिन्दी भाषा : हरदेव बाहरी
5. हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास : उदय नारायण तिवारी
6. हिन्दी भाषा : भोलानाथ तिवारी
7. हिन्दी भाषा का विकासात्मक इतिहास : द्वारिका प्रसाद सक्सेना
8. हिन्दी भाषा : स्वरूप और विकास : कैलाशचन्द्र भाटिया
9. भारत की भाषा समस्या : रामविलास शर्मा
10. भाषा और समाज : रामविलास शर्मा
11. नागरी लिपि – डॉ. बृजमोहन
12. हिन्दी भाषा का आधुनिकीकरण एवं मानकीकरण –त्रिभुवननाथ शुक्ल

13. हिन्दी कैसे बने विश्व भाषा – डॉ. वेदप्रताप वैदिक
14. मानक हिन्दी –ब्रजमोहन
15. हिन्दी की प्रकृति और शुद्ध प्रयोग –ब्रजमोहन
16. राजभाषा हिन्दी – कैलाशचन्द्र भाटिया
17. राजभाषा की प्रवृत्तियाँ – माणिक मृगेश
18. मानक हिन्दी का शुद्धिपरक व्याकरण – रमेश मेहरोत्रा

Paper Code: HIN-SEC-P-2:प्रयोजनमूलक हिन्दी 3 Credit

(35+10=45 Marks)

- प्रयोजनमूलक हिन्दी : अर्थ और स्वरूप।
- प्रयोजनमूलक हिन्दी की आवश्यकता।
- प्रयोजनमूलक हिन्दी और साहित्यिक हिन्दी में अंतर।
- प्रयोजनमूलक हिन्दी की विशेषताएँ।
- प्रयोजनमूलक हिन्दी के विविध रूप।
- हिन्दी की प्रयोजनमूलक प्रयुक्तियाँ।
- प्रयोजनमूलक हिन्दी की सीमाएँ एवं संभावनाएँ।
- सरकारी पत्र, अर्द्ध सरकारी पत्र, टिप्पण तथा आलेखन।
- पारिभाषिक शब्दावली।

सहायक ग्रंथ सूची :

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी - विनोद गोदरे
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्धान्त और प्रयोग- दंगल झाल्टे
3. प्रयोजनमूलक कामकाजी हिन्दी- कैलाशचन्द्र भाटिया
4. प्रयोजनमूलक हिन्दी- डॉ. बालेन्दु शेखर तिवारी
5. प्रयोजनमूलक हिन्दी- डॉ. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
6. प्रयोजनमूलक हिन्दी- डॉ. दिनेश प्रसाद सिंह
7. व्यावहारिक हिन्दी पत्राचार- दंगल झाल्टे
8. टिपण्णी प्रारूप–शिवनारायण चतुर्वेदी
9. संघीय राजभाषा के सन्दर्भ में पारिभाषिक वैज्ञानिक शब्दावली के निर्माण की समस्याएँ –बलराज सिंह सरोही

10. प्रशासनिक हिन्दी : प्रयोग और संभावनाएँ – डॉ. पी.पी. आंडाल
11. प्रशासनिक हिन्दी ऐतिहासिक सन्दर्भ – डॉ. महेशचंद्र गुप्त
12. व्यावसायिक हिन्दी – राजेन्द्र कुमार पांडेय
13. व्यावसायिक हिन्दी – डॉ. प्रेमचंद्र पातंजलि
14. व्यावसायिक हिन्दी – प्रो. रहमतुल्लाह
15. व्यावहारिक हिन्दी और रचना – डॉ. कृष्ण कुमार गोस्वामी
16. बोलचाल की हिन्दी और संचार – डॉ. मधु धवन
17. नए जनसंचार माध्यम और हिन्दी – सं. सुधीश पचौरी, अचला शर्मा
18. सरकारी कार्यालयों में हिन्दी का प्रयोग – गोपीनाथ श्रीवास्तव